आज़ादी का अमृत महोत्सव

जागृति

वर्ष: 65 अंक: 11 मुम्बई अक्टूबर 2021

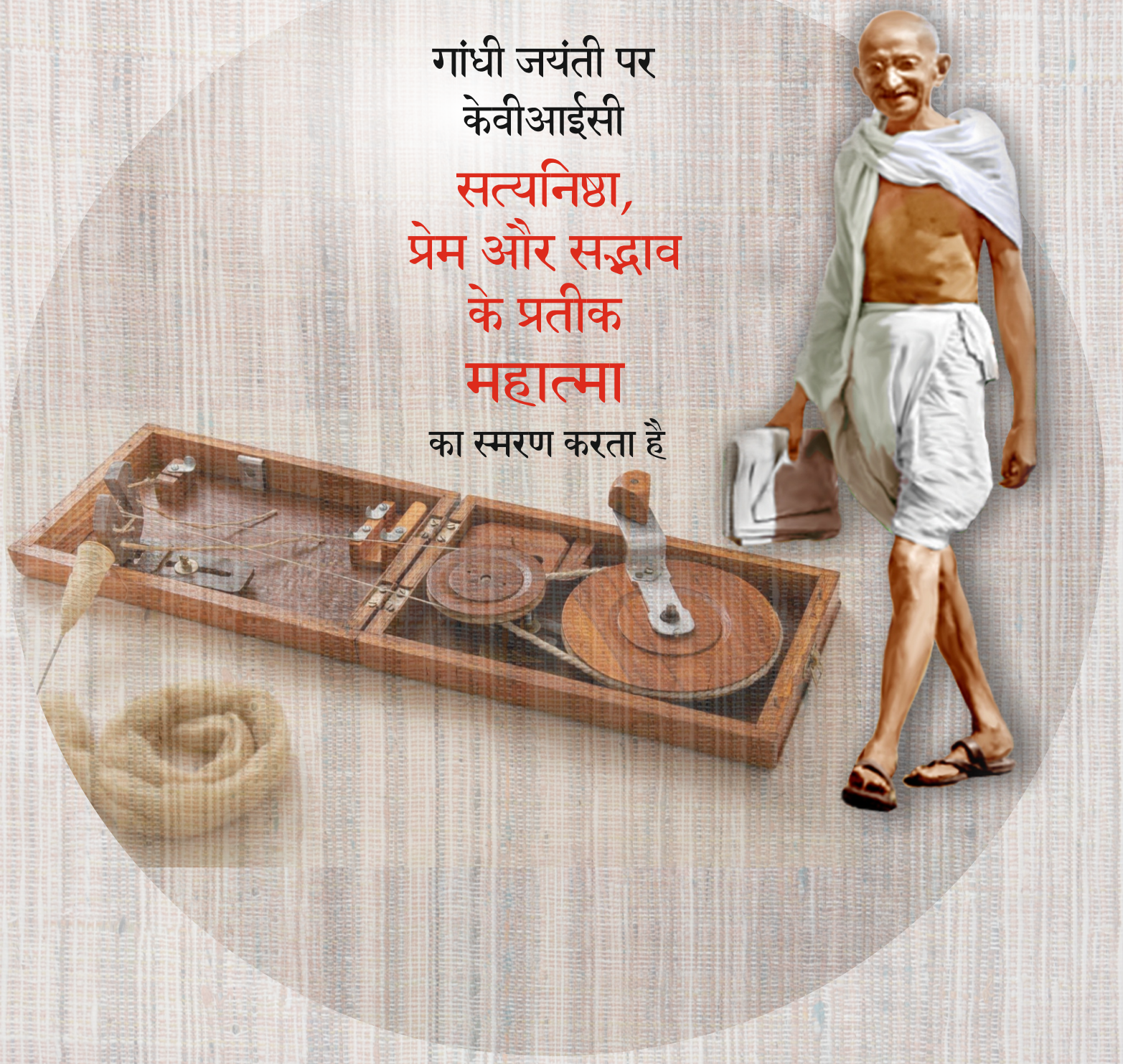

गांधी जयंती पर केवीआईसी सत्यनिष्ठा, प्रेम और सद्भाव के प्रतीक महात्मा का स्मरण करता है

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष: 65 अंक: 11 मुम्बई, अक्तूबर 2021

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
संजय सोमदे
वरिष्ठ कलाकार

चंद्रशेखर पुनवटकर
कलाकार

दिलिप पालकर
कलाकार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार **03–14**

26 सितंबर, 2021 को मन की बात में खादी पर माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन के अंश 03

प्रौद्योगिकी केन्द्र एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करेंगे 04

एमएसएमई राज्य मंत्री द्वारा बांस के पौधे का रोपण और कन्वेंशन सेंटर का उदघाटन.....06

केवीआईसी ने गोवा में नौ कोविड-प्रभावित महिलाओं को स्व-रोजगार प्रदान करने में की मदद.....08

केवीआईसी के अध्यक्ष ने बांस के पौधे लगाकर गोवा में पहला बांस वृक्षारोपण अभियान शुरू किया.....09

केवीआईसी ने स्थानीय रेशम उद्योग को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए ओडिशा का पहला रेशम यार्न उत्पादन केंद्र स्थापित किया.....10

गुवाहाटी में पीएमईजीपी पर क्षेत्रीय स्तरीय एक समीक्षा बैठक आयोजित 11

आयोग में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन 12

आयोग के राज्य/मण्डलीय कार्यालयों में हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़े का आयोजन 13

उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन.....14

विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित..... 15

प्रेस कवरेज व सोशल मीडिया .....17 से 20

26 सितंबर, 2021 को प्रसारित मन की बात में खादी पर माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन के अंश

साथियो,

जैसे बापू ने स्वच्छता को स्वाधीनता से जोड़ा था, वैसे ही खादी को आज़ादी की पहचान बना दिया था। आज आज़ादी के 75वें साल में हम जब आज़ादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं, आज हम संतोष से कह सकते हैं कि आज़ादी के आंदोलन में जो गौरव खादी को था आज हमारी युवा पीढ़ी खादी को वो गौरव दे रही है। आज खादी और हैंडलूम का उत्पादन कई गुना बढ़ा है और उसकी मांग भी बढ़ी है। आप भी जानते हैं ऐसे कई अवसर आये हैं जब दिल्ली के खादी शोरूम में एक दिन में एक करोड़ रूपए से ज्यादा का कारोबार हुआ है।

मैं भी फिर से आपको याद दिलाना चाहूँगा कि 2 अक्टूबर, पूज्य बापू की जन्म-जयंती पर हम सब फिर से एक बार एक नया record बनाए। आप अपने शहर में जहाँ भी खादी बिकती हो, हैंडलूम बिकता हो, हेंडीक्राफ्ट बिकता हो और दिवाली का त्योहार सामने है, त्योहारों के मौसम के लिए खादी, हैंडलूम, कुटीर उद्योग से जुड़ी आपकी हर खरीदारी 'Vocal For Local' इस अभियान को मजबूत करने वाली हो, पुराने सारे record तोड़ने वाली हो।

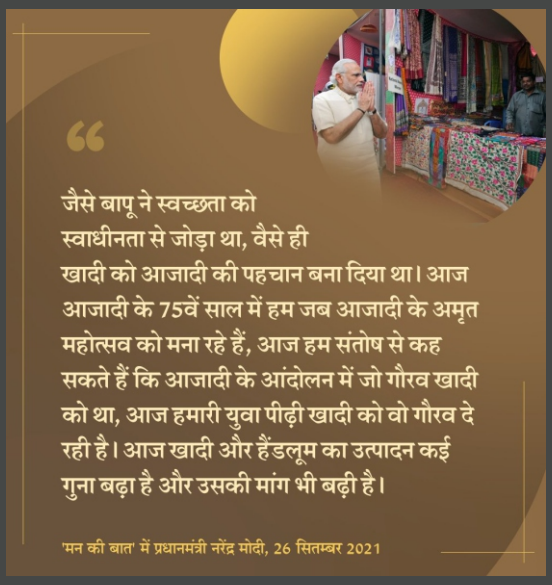

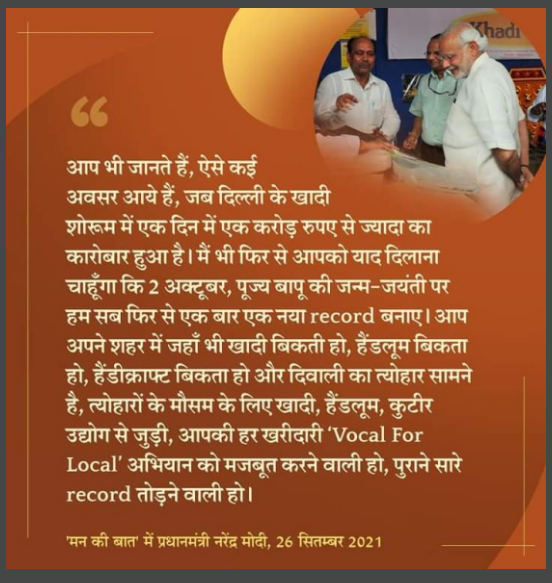

प्रौद्योगिकी केन्द्र एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करेंगे।

एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने रोहतक प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन मुंबई से डिजिटल माध्यम के द्वारा किया

माननीय मंत्री श्री नारायण राणे ने डॉ. अरविंद शर्मा, सांसद, श्री बी.बी. स्वैन सचिव (एमएसएमई), देवेंद्र कुमार सिंह, सुश्री प्रीता वर्मा सीईओ, केवीआईसी और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में रोहतक, हरियाणा में केवीआईसी के मुंबई कार्यालय से डिजिटल माध्यम से प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन किया।

उदघाटन अवसर पर माननीय मंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी निर्माण केंद्र से एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करेंगे, 20 एकड़ में विकसित किया गया यह केंद्र सालाना 8400 से अधिक प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित करेगा। उन्होंने कहा कि 135 करोड़ की आबादी वाले देश को अधिक से अधिक प्रौद्योगिकी केंद्रों की आवश्यकता है, जिनके निर्माण को गति प्रदान करने की जरूरत है।

एमएसएमई द्वारा इन केंद्रों में विकसित की गई तकनीक राष्ट्र को इस महामारी के कठिन समय के दौरान गरीबी तथा बेरोजगारी को न सिर्फ खत्म करेगी बल्कि इससे आत्मनिर्भर भारत को एक प्रोत्साहन मिलेगा, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्र एक महाशक्ति के रूप में उदय होगा। उद्यमियों का राष्ट्र बनाने के लिए इन केंद्रों की नई तकनीक अधिक से अधिक संख्या में लोगों तक पहुंचनी चाहिए, जो लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा जिसके फलस्वरूप जीडीपी में वृद्धि होगी।

इससे पहले, माननीय मंत्री ने मुंबई से रोहतक प्रौद्योगिकी केंद्र का डिजिटल उद्घाटन करने के पश्चात महाराष्ट्र के प्रतिनिधि, पीएमईजीपी संस्थानों के साथ भी बातचीत की और उनके प्रयासों की सराहना की।

■■

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर, केवीआईसी ने वाराणसी में कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं

एमएसएमई राज्य मंत्री द्वारा बांस के पौधे का रोपण और कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन, "सेवा दिवस" के मौके पर स्पिन (स्ट्रेंथनिंग दि पोटेंशियल ऑफ इंडिया) नामक एक विशिष्ट योजना शुरू की और हाशिए पर रहने वाले कुम्हार समुदाय के 1,100 से अधिक लोगों को सशक्त बनाने के लिए वाराणसी में स्फूर्ति योजना के तहत एक पॉटरी कलस्टर स्थापित किया।इस अवसर पर स्पिन योजना के प्रतिभागियों के लिए 780 इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील (बिजली से चलने वाले चाक) मंजूर किए गए। इसके अलावा, केवीआईसी ने गुजरात के केवड़िया में महिला कारीगरों को स्वरोजगार और स्थायी आजीविका के साथ जोड़ने के लिए 50 चरखे वितरित किए। इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना उपस्थित थे।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) राज्य मंत्री श्री भानुप्रताप सिंह वर्मा ने स्पिन योजना का शुभारंभ किया जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और झारखंड के 780 कुम्हारों ने अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंक से वित्तीय सहायता के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें से 110 कारीगर वाराणसी के हैं। संयोग से, कुम्हार समुदाय को सशक्त बनाना और मिट्टी के बर्तनों की लुप्त होती कला को संरक्षित करना यही प्रधानमंत्री का सपना है।

कुम्हार सशक्तिकरण योजना, जो एक सब्सिडी आधारित कार्यक्रम है, के विपरीत स्पिन योजना पंजीकृत कुम्हारों को प्रधानमंत्री शिशु मुद्रा योजना के तहत बैंकों से सीधे ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। स्पिन योजना के तहत, केवीआईसी आरबीएल बैंक के माध्यम से कुम्हारों को वित्तीय सहायता के लिए एक सुविधादाता के रूप में कार्य कर रहा है और इस योजना को चुनने वाले कारीगरों को प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। इस योजना के तहत राजकोष पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा और कुम्हार आसान किश्तों में ऋण चुकाएंगे। इस तरह, स्पिनयोजना का उद्देश्य भारत में मिट्टी के बर्तनों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का संचार करना है।

श्री वर्मा ने वाराणसी के भट्टी गांव में "काशी पॉटरी क्लस्टर" का भी उद्घाटन किया। स्फूर्ति योजना के तहत केवीआईसी द्वारा स्थापित वाराणसी जिले में यह पहला पॉटरी कलस्टर है। 2.50 करोड़ रुपये की लागत से 7,100 वर्ग फुट के क्षेत्र में स्थापित यह क्लस्टर मिट्टी के

बर्तनों के उन 340 कारीगरों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगा जिन्हें केवीआईसी द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। यह क्लस्टर मिट्टी के बर्तनों के उच्च उत्पादन के लिए फर्नेस, इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स, ब्लंजर मशीन, पग मिल और अन्य आधुनिक उपकरणों जैसे नवीनतम उपकरणों से लैस है।

मंत्री ने कहा, "स्पिन कुम्हारों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक विशेष रूप से तैयार किया गया कार्यक्रम है। इस योजना के तहत, केवीआईसी कुम्हारों को बैंकों से आसान ऋण प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगा जिससे कुम्हारों को उनकी गतिविधियों में विविधता लाने और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे सरकारी सब्सिडी पर उनकी निर्भरता कम होगी और इस तरह हमारे कुम्हार आत्मनिर्भर बनेंगे।" उन्होंने साथ ही कहा कि नया काशी पॉटरी क्लस्टर पारंपरिक कुम्हारों को आधुनिक उपकरणों की मदद से अपने कौशल को बेहतर करने में मदद करेगा जो अंततः उन्हें बाजार में एक बड़े हिस्से पर कब्जा करने और बेहतर आय प्राप्त करने में सक्षम बनाएंगे।

केवीआईसी के अध्यक्षश्री सक्सेना ने कहा कि संस्थाका प्रमुख उद्देश्य स्थानीय स्वरोजगार के सृजन के जरिए सतत विकास करना है जो "हर हाथ में काम" की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। उन्होंने कहा, "स्पिन योजना और काशी पॉटरी क्लस्टर कुम्हार समुदाय को सशक्त बनाने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे, जो कि प्रधानमंत्री का सपना है। मिट्टी के बर्तनों के अलावा, केवीआईसी स्पिन योजना के तहत अन्य पारंपरिक कलाओं को मजबूत करने पर भी विचार करेगा।"

इसके अलावा, केवीआईसी ने वाराणसी में 80 बढ़ईगीरी कारीगरों को टूल (औजार) सेट वितरित किए और वाराणसी के सेवापुरी आश्रम में बांस के 2,000 पौधे भी लगाए।

स्पिन योजना की मुख्य विशेषताएं

- यह एक बिना सब्सिडी वाला कार्यक्रम है
- केवीआईसी कुम्हारों को प्रधानमंत्री शिशु मुद्रा योजना के तहत बैंक ऋण प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है
- इससे राजकोष पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा
- लाभार्थी आसान किश्तों में ऋण चुका सकते हैं। ■■

केवीआईसी ने गोवा में नौ कोविड-प्रभावित महिलाओं को स्व-रोजगार प्रदान करने में की मदद

7 सितंबर, 2021: दूरगामी लाभ वाली एक अनूठी पहल में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने गोवा में नौ महिलाओं के लिए स्थायी स्वरोजगार का इंतजाम किया है। ये वो महिलाएं हैं जिन्होंने कोविड-19 के कारण अपने प्रियजनों को खोया और वे बेहद गंभीर संकट से गुजर रही थीं।

घर में कमाने वाले सदस्य को महामारी में खोने के दुःख, निराशा और आजीविका के संकट के बीच, इन महिलाओं को केवीआईसी ने अपनी प्रमुख योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत अपनी खुद की विनिर्माण इकाइयाँ स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। यह देश में पहली बार है कि कोई सरकारी एजेंसी महामारी से प्रभावित कमजोर लोगों के लिए आजीविका निर्माण में सहायता प्रदान कर रही है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को इन नौ महिलाओं को 1.48 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए, जो जल्द ही कपड़ा सिलाई, ऑटोमोटिव मरम्मत, बेकरी और केक की दुकानें, ब्यूटी पार्लर, हर्बल और आयुर्वेदिक दवाओं और काजू प्रसंस्करण इकाइयों जैसी अपनी खुद की मैन्युफेक्चरिंग यूनिट्स शुरू करेंगी। इन लाभार्थियों में से प्रत्येक को पीएमईजीपी योजना के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 25 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया गया है। साथ ही, इन नई इकाइयों में से प्रत्येक कम से कम 8 व्यक्तियों के लिए रोजगार पैदा करेगी।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि ये स्वरोजगार पहल न सिर्फ इन परिवारों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाए रखेंगी बल्कि दूसरों के लिए रोजगार भी पैदा करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि कोविड महामारी के दौरान केवीआईसी ने संकट में फंसे परिवारों को मदद पहुंचाने के लिए स्थानीय विनिर्माण और स्वरोजगार पर जोर दिया है। बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के व्यथित लोगों को पीएमईजीपी के तहत स्वरोजगार गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

नतीजतन, ये नए उद्यमी न केवल खुद को आर्थिक रूप से सशक्त

केवीआईसी के अध्यक्ष ने बांस के पौधे लगाकर गोवा में पहला बांस वृक्षारोपण अभियान शुरू किया

केवीआईसी के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने 550 बांस के पौधे लगाकर गोवा में पहला बांस वृक्षारोपण अभियान शुरू किया। गोवा जैव विविधता बोर्ड के साथ संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया गया है। तीन वर्षों में, ये बांस के पौधे पारिस्थितिकी संरक्षण, बढ़ी हुई ग्रामीण आय, मजबूत ग्राम उद्योग, कौशल विकास और उच्च उत्पादकता सुनिश्चित करने के अलावा, अगरबत्ती, फर्नीचर और हस्तशिल्प जैसे विभिन्न बांस आधारित उद्योगों के लिए कच्चा माल प्रदान करेंगे।

❖❖

बनाए रखेंगे बल्कि वे कई अन्य परिवारों को भी अपनी नई विनिर्माण इकाइयों में रोजगार देकर उनकी मदद करेंगे।

इन लाभार्थियों ने भी आभार व्यक्त किया और संकट की इस घड़ी में आवश्यक सहयोग के लिए केवीआईसी को धन्यवाद दिया।

एक लाभार्थी सुष्मिता शेखर पड़वाल ने कहा, "कोविड-महामारी ने हमें गंभीर रूप से प्रभावित करने के बाद मेरा परिवार गंभीर वित्तीय संकट में था। लेकिन केवीआईसी सबसे कठिन समय में हमारे बचाव में आया और कुछ ही महीनों में, मैं अपनी खुद की निर्माण इकाई शुरू कर रही हूं।"

लाभार्थियों का विवरण

नाम	गतिविधि	ऋण राशि	स्थान
सुशिता शेखर पड़वल	परिधान सिलाई	रु. 7,70,000	असगाव
पॉलिना फर्नांडीज	ऑटो मरम्मत	रु. 9,50,000	पेरनेम
राधिका रविकांत कनोलकर	आटा चक्की	रु. 25,00,000	पेरनेम
दीपेशा पराब	केक की दुकान	रु. 9,50,000	बिचोलिम
जेरिनामा मैक्सिन	ब्यूटी पार्लर, हर्बल और आयुर्वेदिक दवाएं	रु. 9,60,000	बप्सोरो
मल्लेश नायक	स्नैक्स/खाद्य उद्योग	रु. 25,00,000	बप्सोरो
दिलीप कृष्णा अमोनकर	मिष्टान्न गृह	रु. 10,00,000	वेरना
दर्शन रमेश नायक	काजू प्रसंस्करण इकाई	रु. 24,95,000	तलेइगाव
सिद्धेश प्रकाश पोपकार	काजू प्रसंस्करण इकाई	रु. 24,99,130	चोदान

केवीआईसी ने स्थानीय रेशम उद्योग को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए ओडिशा का पहला रेशम यार्न उत्पादन केंद्र स्थापित किया

सैकड़ों वर्षों से ओडिशा अपने उत्तम रेशम, विशेष रूप से रेशम की तुसर किस्म के लिए जाना जाता है। यह रेशम हजारों आदिवासी लोगों और विशेषकर महिलाओं को आजीविका प्रदान करता है। लेकिन राज्य में रेशम के बुनकर रेशम के धागे के लिए पूरी तरह से पश्चिम बंगाल, झारखंड और कर्नाटक जैसे राज्यों पर निर्भर थे जिससे रेशम के कपड़े की लागत बढ़ गई थी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 24 सितंबर, 2021 को कटक जिले के चौद्वार में ओडिशा का पहला टसर सिल्क यार्न उत्पादन केंद्र स्थापित करने के लिए एक ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की। यह रेशम धागा उत्पादन केंद्र टसर रेशम के धागे की स्थानीय उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, स्थानीय रोजगार पैदा करेगा और रेशम उत्पादन लागत को कम करेगा। टसर रेशम की बेहतरीन किस्मों में से एक है और इसका खुरदरापन और बुनाई इसे बाकी किस्मों से अलग करती है। रेशम धागा उत्पादन केंद्र का उद्घाटन शुक्रवार को केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने किया था।

यह केंद्र बहुत महत्व रखता है क्योंकि रेशम ओडिशा में कुल खादी कपड़े के उत्पादन का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा है। यह रेशम धागा उत्पादन केंद्र 34 महिलाओं सहित 50 कारीगरों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगा, साथ ही कोकून की खेती में

(शेष पृष्ठ 11 पर)

गुवाहाटी में पीएमईजीपी पर आंचलिक स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

पीएमईजीपी पर क्षेत्रीय स्तरीय एक समीक्षा बैठक गुवाहाटी में आयोजित की गई, जिसमें आयोग के माननीय सदस्य, उत्तर पूर्व क्षेत्र, श्री दुयू तामो जी, वित्तीय सलाहकार , आईआरएस, सुश्री आशिमा गुप्ता, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीएमईजीपी, श्री राजन बाबू, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभारी, पूर्वोत्तर क्षेत्र डॉ. सुकमल देब, के अलावा आयुक्त, उद्योग और वाणिज्य, असम, भारतीय स्टेट बैंक के महा प्रबंधक, अवर सचिव, एमएसएमई श्री अनिल कुमार, बैंकों के सभी वरिष्ठ अधिकारी, उत्तर पूर्व क्षेत्र के केवीआईसी एवं केवीआईबी के पदधिकारियों ने भाग लिया।

❖❖

असम दौरे के दौरान, 24 सितम्बर, 2021 को आयोग की वित्तीय सलाहकार, आईआरएस, सुश्री आशिमा गुप्ता ने खादी संस्था, ग्राम स्वराज परिषद, रंगिया, असम के उत्कृष्ट केंद्र का दौरा किया।

(पृष्ठ 10 से आगे)

लगे 300 से अधिक आदिवासी किसानों को आजीविका सहायता प्रदान करेगा। इससे राज्य में बुनकरों और रीलरों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होगा। प्रत्येक किलो कच्चे रेशम का उत्पादन 11 कारीगरों के लिए रोजगार पैदा करता है, जिनमें से 6

महिलाएं हैं।

इस मौके पर श्री सक्सेना ने कहा कि "रेशम भारत की कालातीत विरासत है जो हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। यह भारतीय कपड़ा उद्योग, विशेष रूप से खादी का एक प्रमुख घटक भी है। इस रेशम धागा उत्पादन केंद्र के चालू होने से रेशम के धागे का उत्पादन स्थानीय स्तर पर होगा और इस प्रकार रेशम उत्पादन की लागत में कमी आएगी। इससे ओडिशा के प्रसिद्ध टसर सिल्क की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा और सिल्क के पारंपरिक शिल्प को मजबूती भी मिलेगी।"

75 लाख रुपये की लागत से स्थापित रेशम धागा उत्पादन केंद्र सालाना 94 लाख रुपये मूल्य के 200 किलोग्राम रेशम के धागे का उत्पादन करने में सक्षम है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इस इकाई की उत्पादन क्षमता को धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। यह रेशम यार्न उत्पादन केंद्र रेशम रीलिंग मशीन, री-रीलिंग मशीन, कताई मशीन और अन्य जैसी उन्नत मशीनरी से लैस है।

❍❍

आयोग में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन

दुनिया में सबसे विविध राष्ट्रों में से एक होने के नाते, भारत एक ऐसा स्थान है जहां कई परंपराएं, रीति-रिवाज, धर्म और भाषाएं पनपती हैं, और सभी भाषाओं में, हिंदी को भारत में प्रमुख के साथ-साथ व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा माना जाता है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुख्यालय, मुंबई में दिनांक 14.09.2021 को वित्तीय सलाहकार की अध्यक्षता में मुख्यालय के ढेबर भाई सभाकक्ष में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य सतर्कता अधिकारी श्रीमती संघमित्रा, श्री वाई.के.बारामतीकर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी/ राजभाषा अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वित्तीय सलाहकार ने इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर सहायक निदेशक (राजभाषा)/प्रभारी (हिन्दी विभाग) ने हिन्दी दिवस पर माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग का संदेश पढ़कर सुनाया।

इस अवसर पर मुख्य सतर्कता अधिकारी ने कहा कि हमें कार्यालय मे अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करना चाहिए। उन्होने कहा कि हम सभी को भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यांकों को प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। अंत में संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी/राजभाषा अधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

हिन्दी पखवाड़े का आयोजन दिनांक 14.09.2021से दिनांक 30.09.2021 तक किया गया। इस दौरान मुख्यालय के विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। इसके अतिरिक्त, हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग के तत्वावधान में सी.डी. बर्फ़ीवाला हाई स्कूल, डी.एन.नगर, अंधेरी (प.), मुंबई के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 21.09.2021 को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

हिन्दी पखवाड़े का पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 02.10.2021 को गांधी जयंती के अवसर पर मुख्यालय के प्रार्थना कक्ष में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदया एवं आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आयोग के मुख्यालय, मुंबई में सम्पन्न प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों एवं सीडी बर्फ़ीवाला स्कूल के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए।

अंत में श्री कृष्ण पाल, सहायक निदेशक (राजभाषा)/प्रभारी (हिन्दी विभाग) ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी पखवाड़े में उत्साह पूर्वक भाग लेकर उसे सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया, उसके बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ।

आयोग के राज्य/मण्डलीय कार्यालयों में हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़े का आयोजन

उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय संस्थान के तत्वाधान में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन 2 2 सितंबर 2021 को प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, रायपुर, भगवानपुर, जिला हरिद्वार में किया गया।

कार्यक्रम में आयोग के सहायक निदेशक श्री जे.एस.मलिक ने पी.एम.ई.जी.पी योजना पर विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दी । श्री शैलेंद्र कुमार ,सेवानिवृत्त प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, श्री मोहम्मद शाकिब, पंजाब नेशनल बैंक, आरसेटी, हरिद्वार, श्री रमेश कोठारी, सहायक विकास अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड ,हरिद्वार एवं सुश्री दीपा शर्मा फैकल्टी निस्बड ने प्रतिभागियों को योजना संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में 59 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

आयोग द्वारा संचालित कह जा रहीं कार्यक्रमो व पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत दिनांक 21/09/2021 को आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून द्वारा ग्राम सभा क्रिश्चियन नगर, लामाचौर में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, इसमें क्षेत्र के 90 नव युवक, नव युवतियो ने उद्योग के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

सहसपुर प्रखंड देहरादून उत्तराखंड में आयोजित उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम। 5 0 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया।

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून (उत्तराखंड) ने राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबीयूडी) के माध्यम से सहसपुर ब्लॉक देहरादून में प्रधान मंत्री रोजगार सृजन (पीएमईजीपी) के तहत एक उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। 50 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। डॉ. अलका पांडे, डीवीआईओ उत्तराखंड खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, श्री अभिषेक व्यास, एलडीएम, श्री सिंह, वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता, श्री एसटी तिवारी, बीएमबी सहसपुर ब्लॉक उपस्थित थे।

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून (उत्तराखण्ड) द्वारा प्रायोजक के रूप में प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन दिनांक 23/09/2021 को भीमताल जिला-नैनीताल में राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड), देहरादून के माध्यम से सम्पन्न कराया गया, जिसमें लगभग 65 युवक एवं युवतियो ने भाग लिया।

विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित

भगवतीपारा, कामरूप जिला में 26.09.2021 को ग्रामीण अनुसूचित जाति संरक्षण और सेवा समिति और केवीआईसी, गुवाहाटी के सहयोग से आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभारी, पूर्वोत्तर क्षेत्र, डॉ सुकमल देब, सहायक

निदेशक श्री एस. अस्थाना द्वारा कुम्हारों को 30 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किए।

आयोग के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, पंजोखरा में मण्डलीय निदेशक, मेरठ द्वारा 17.09.21 को एक माह का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया।

मण्डलीय निदेशक, मेरठ, प्राचार्य, एमडीटीसी एवं मण्डलीय कार्यालय, मेरठ एवं बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, पंजोखरा के पदाधिकारियों की उपस्थिति में दिनांक 17.09.21 को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

माननीय प्रधान मंत्री के जन्मदिन पर सेवा दिवस पर आयोग के राज्य कार्यालय, गुवाहाटी के सहायक निदेशक श्री एस. अस्थाना द्वारा करीमगंज में रसायन आधारित उद्योग के तहत 3 एसएचजी की 30 महिलाओं को मिट्टी के बर्तन बनाने का प्रशिक्षण तथा सिकरीडांगा, जिला उदलगुरी (असम) में हनी मिशन के तहत 300 मधुमक्खी के बक्से वितरित किए गए।

आयोग के नासिक, महाराष्ट्र स्थित डा. अंबेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी व प्रबंधन संस्थान ने 09 सितम्बर 2021 को बेकरी एवं मसाला निर्माण प्रशिक्षण का समापन समारोह एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

मुंबई में जन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डॉ आंबेडकर कॉलेज, वडाला, मुंबई में दिनांक 01/09/2021 को जन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया | ऑनलाईन तथा आफ लाईन 160 छात्र प्रशिक्षण केंद्र में उपस्थित थे| कार्यक्रम में आयोग के सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली, मुंबई के प्राचार्य श्री असद मलिक ने आयोग के

विविध लघु व सूक्ष्म प्रशिक्षण एवं पी.एम.ई.जी.पी योजना के बारें में छात्रो को जानकारी दी, इस अवसर पर संस्थान के कार्यकारी श्री उमाकांत डोईफोडे, कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती जयश्री अय्यर तथा उप प्राचार्य इत्यादि उपस्थित थे|

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून (उत्तराखंड) के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, हल्द्वानी द्वारा 02.10.2021 को ग्रुप सेंटर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, हल्द्वानी में क्षेत्रीय परिवार कल्याण संघ के साथ उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्री इंद्रजीत, प्राचार्य, एमडीटीसी हल्द्वानी, श्री हरीश चंद, वरिष्ठ कार्यकारी और श्री गौरव जौहरी, कार्यकारी ने उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद सीआरपीएफ कर्मियों की पत्नियों को प्रशिक्षण और पीएमईजीपी की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में श्रीमती अनीता राय, अध्यक्ष, सीडब्ल्यूडब्ल्यूए, सीआरपीएफ, हल्द्वानी और श्री अरिजीत शंकर, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ भी उपस्थित थे।

सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान ने औद्योगिक व्यवसाय मार्गदर्शन संस्था के तत्वाधान में दिनांक 07/09/2022 को धारावी में महिलाओ के लिए लघु ग्रामोद्योग व्यवसाय मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया।

संस्थान के कार्यकारी श्री उमाकांत डोईफोडे ने आयोग के विविध लघु व सूक्ष्म प्रशिक्षण एवं पी.एम.ई.जी.पी योजना के बारें में महिलाओं को जानकारी दी इस अवसर पर मार्गदर्शन संस्था के पदाधिकारी श्री सी.एम.वाहूर वाघ व श्री जे.पी. हनुवंते भी उपस्थित थे।

आयोग के बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून द्वारा 25-09-2021 को श्री तारेन्द्र सिंह गढ़िया , सरपंच व श्री पुष्कर सिंह राणा, ग्राम प्रधान के सहयोग से ग्राम-गाड़ी, जिला चमोली उत्तराखंड के पंचायत घर में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, आयोग के प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून के ओ.एस.डी.श्री राजेश कुमार तथा कार्यकारी प्रशिक्षण, श्री शरद मधुकर ने आयोग के योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से प्रतिभागियों को जानकारी दी।

प्रेस कवरेज

राजस्थान पत्रिका

patrika.com

युवा पीढ़ी में गांधी की तलाश

गांधी जयंती सप्ताह विशेष

एक 'मशाल' के 96 साल, नई पीढ़ी को भी भायी

महामारी में खादी बनी 1.60 करोड़ लोगों की रोजी-रोटी का सहारा

ई-कॉमर्स के दौर में भी आगे

झटका लगा, अवसर बने

रेकॉर्ड 527 नई संस्थाएं

Minister Narayan Rane digitally inaugurates Rohtak Technology Centre from Mumbai

Says for the population of 135 crores, more technology centres need to be speedily constructed

By Chandrashekhar Hendve

Minister Narayan Rane in the presence of Dr. Arvind Sharma, Member of Parliament, B.B. Swain, Secretary (MSME), Devendra Kumar Singh, Ms Preeta Verma CEO, KVIC and other senior dignitaries inaugurated Technology Centre at Rohtak, Haryana digitally from KVIC's Mumbai Office. The Centre is developed over 20 acres and will train more than 8400 trainees annually, said the Minister. He added that for the population of 135 crores, the Nation needs more and more technology centres which need to be speedily constructed.

The technology developed in these Centres by MSME will give a good impetus to the Aatma nirbhar Bharat during these tough times in pandemic and will go a long way in making India a Super Power, he said.

"The new technology of these Centres should reach out to more and more number of people for building a nation of entrepreneurs which will

make them financially stronger resulting in enhancement in GDP," stressed Rane.

Earlier, the Hon'ble Minister also interacted with the representative of Maharashtra, PMEGP institutions and appreciated their efforts.

खादी एवं ग्रामोद्योग का होगा स्थायी विकास : यूजी ब्रह्म

गुवाहाटी: असम खादी एवं ग्रामोद्योग के स्थाई विकास के लिए राज्य सरकार प्रयासरत ताकि इस उद्योग के जरिए ग्रामीण इलाके में रहने वाले लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके। चांदमारी स्थित असम खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के पदाधिकारियों के साथ हथकरघा, वस्त्र शिल्प और रेशम विभाग मंत्री यूजी ब्रह्म ने बुधवार को बैठक के दौरान उपरोक्त आशय की बातें कहीं। उन्होंने विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही परियोजनाओं की समीक्षा की और लोगक हित में जारी योजनाओं को और प्रभारी तरीके से काम करने को कहा। बैठक में असम खादी एवं ग्रामोद्योग की ओर से चल रही योजनाओं पर चर्चा की गई और उसके जरिए इस विभाग का स्थाई विकास कैसे किया जाए उस पर समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि निकच भविष्य में कई नई योजनाएं शुरू की जाएगी। **(कासं)**

प्रेस कवरेज

KVIC launches SPIN scheme for potters' community in Varanasi

New Delhi: Khadi and Village Industries Commission (KVIC) on Friday launched a unique Scheme called SPIN (Strengthening the Potential of India) and set up a pottery cluster under SFURTI Scheme in Varanasi to empower over 1100 people of the marginalized potters' community on the occasion of 71th birth anniversary of Prime Minister Narendra Modi. On this occasion, 780 electric potter wheels were sanctioned to the participants of SPIN Scheme. Further, in Gujarat, KVIC distributed 50 charkha to women artisans at Kevadia to engage them with self-employment and sustainable livelihood. Chairman KVIC Vinai Kumar Saxena was present on the occasion. PM Modi's birth anniversary is being celebrated as "Sewa Diwas".

Union Minister of State for MSME, Bhanu Pratap Singh Verma launched the SPIN Scheme in which 780 potters from Uttar Pradesh, Bihar, Rajasthan and Jharkhand have registered for financial assistance from the bank to begin their own business. Out of these, 110 artisans are from Varanasi. Unlike Kumhar Sashaktikaran Yojana, which is a subsidy-based program, SPIN Scheme enables the registered potters to get a direct loan from the banks under Pradhan Mantri Shishu Mudra Yojana. Under the SPIN Scheme, KVIC is acting as a facilitator for financial aid to potters through RBL bank and also providing training to the artisans, opting for this scheme.

Under this scheme, there will be no financial burden on the exchequer and the loan will be repaid by the potter in easy instalments. The SPIN scheme, thus, aims at infusing self-sustainability in the Indian pottery sector.

Verma also inaugurated "Kashi Pottery Cluster" at Village Bhatti in Varanasi. This is the first pottery cluster in Varanasi district set up by KVIC under the SFURTI Scheme. The cluster, set up over an area of 7100 square feet at the cost of Rs 2.50 crore, has provided direct employment to 340 pottery artisans who have been trained by KVIC. The cluster is equipped with modern equipment like furnaces, electric potter wheels, blunger machines, pug mills and other modern equipment for higher production of clay pottery.

"SPIN is a specially designed program to make potters self-sustainable. Under the scheme, KVIC will facilitate potters to get easy loans from banks that will help the potters to diversify their activities and enhance their income. This will reduce their dependence on government subsidy and thus make our potters self-reliant," Verma said. He further said that the new Kashi pottery cluster will help traditional potters in increasing their skills with the help of modern equipment which will eventually help them occupy a bigger market space and get a better income.

Chairman KVIC, Saxena said sustainable development by creating local self-employment is the key objective of KVIC which is aligned with the Prime Minister's commitment of "Job to Every Hand" (Har Hath Me Kaam).

PNS

अगरबत्ती प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र बंटा

अवसर

गोविन्दपुर | हिन्दुस्तान संवाद

बनवासी सेवा आश्रम के विचित्रा महाकक्ष में सोमवार को खादी ग्रामोद्योग आयोग के सौजन्य से आयोजित दस दिवसीय पैडल अगरबत्ती निर्माण प्रशिक्षण का समापन और प्रमाण पत्र वितरण आयोग के मंडलीय निदेशक वाराणसी डीएस भाटी और जेपी श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर श्री भाटी ने कहा कि महिलाओ के आगे आने से समाज और देश में परिवर्तन होगा और हम आगे बढ़ेंगे। उन्होंने सुगंधा और रेणु समूह को बधाई देते हुए कहा कि लोहारी, कुम्हारी, बांस आदि उद्योगों के जरिए स्वरोगार मिल सकता है। इसमें खादी ग्राम उद्योग मदद करेगा। शुभा प्रेम ने कहा कि समूह की महिलाएं अगरबत्ती निर्माण के साथ उसकी बिक्री पर भी ध्यान दें तो तय यह काम आगे बढ़ेगा। मौके पर लाल बहादुर सिंह विमल सिंह, केवला दुबे, लता सिंह, इंदुबाला सिंह, नीरा बहन आशीष, राम बरन यादव आदि उपस्थित रहे।

बनवासी सेवा आश्रम के विचित्रा महा कक्ष में प्रमाण पत्र वितरण करते मंडलीय निदेशक डी एस भाटी। • हिन्दुस्तान

दैनिक जागरण वाराणसी, 11 सितंबर, 2021 वाराणसी जागरण www.jagran.com

अवसर प्रधानमंत्री की जन्मतिथि 17 सितंबर को प्रशिक्षुओं में बांटी जाएगी टूलकिट, रोजगार की नई राह

जलावनी लकड़ियां बढ़ाएंगी घरों की शोभा

अरुण मिश्र • वाराणसी

अब सड़क किनारे, आरा मशीनों व गांवों के बगीचों में कटे पड़े बड़े पेड़ों की जड़ें घरों की शोभा के साथ रोजगार का अवसर भी बढ़ाएंगी। इसके लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग वाराणसी के सेवापुरी, कादीपुर एवं गाजीपुर व बलिया में बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित कर रहा है। ये युवा बेकार लकड़ियों से 25-30 प्रकार के सजावटी सामान बनाने का गुर सीखकर स्वावलंबी बनेंगे। प्रशिक्षुओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मतिथि 17 सितंबर को रुद्राक्ष में होने वाले केवीआइसी के कार्यक्रम में टूल किट बांटे जाएंगे।

वेस्टवुड कारपेंटरी स्किल डेवलपेंट स्कीम के तहत युवाओं को बेकार लकड़ियों से वाच क्लाक फ्रेम, टेबल ट्रे, चम्मच, ट्रे स्टूल, पीढ़ा, खिलौने समेत 25 से 30 प्रकार के सामान बनाने का गुर सिखाया जा रहा है। पहले बैच का प्रशिक्षण 12 सितंबर को समाप्त हो जाएगा। बता दें कि इससे पहले प्रशिक्षण प्राप्त युवा 30 से 40 हजार रुपये प्रतिमाह की आय कर रहे हैं। प्रशिक्षक के रूप में भी युवा भविष्य बना रहे हैं। इनकी फैक्ट्रियों में डिमांड है। बलिया में ही जयप्रकाश नारायण ग्रामीण प्रौद्योगिकी केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे युवा धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि जलावनी लकड़ियों से सजावटी सामान बनाना सीख रहे हैं। यहां से एक प्रमाण पत्र मिलेगा। इसके जरिए बैंक से लोन भी मिलेगा। टूल किट भी मिलेगा। अपना काम शुरू करेंगे। काम की जानकारी होने से आय बढ़िया होगी।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग से प्रशिक्षित किए गए युवकों द्वारा अनुपयोगी हो चुकी लकड़ियों से बनाए गए विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान • जागरण

स्कीम के जरिए बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। बनारस समेत पूर्वांचल में हर साल सैकड़ों मेले लगते हैं। इसमें ऐसे सामानों की बहुतायत मांग होती है। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि स्थानीय स्तर पर लगने वाले मेले व बाजारों में मेरठ से आए ऐसे उत्पादों की जमकर बिक्री हुई है।
– डीएस भाटी, निदेशक, खादी व ग्रामोद्योग आयोग।

जागरुकता शिविर किए जा रहे हैं आयोजित

युवाओं को रोजगार के लिए बढ़ावा दे रहा खादी और ग्रामोद्योग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. खादी और ग्रामोद्योग आयोग-अहमदाबाद गुजरात में युवाओं को रोजगार के लिए बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए जागरुकता शिविर किए जा रहे हैं, जिसमें न सिर्फ रोजगार की जानकारी दी जाती है बल्कि उन्हें उन्हें खुद के पैरों पर खड़े रहने के लिए ऋण भी मुहैया कराया जा रहा है।

खादी और ग्रामोद्योग- गुजरात के निदेशक डॉ. नितेश धवन ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत मधुमक्खी पालन, साबुन बनाना जैंसे कई रोजगारों के लिए गुजरात के अलग-अलग जिलों में जागरुकता शिविर किए जा रहे हैं। इसके जरिए युवाओं को रोजगार के लिए प्रेरित किया जाता है। इस योजना में 18 वर्ष की उम्र से अधिक आयु के युवा, जो नया उद्योग लगाना चाहते हैं, उनके लिए मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर में 25 लाख तक और सर्विस सेक्टर के लिए 10 लाख रुपए तक मुहैया कराया जाता है। योजना में सार्वजनिक बैंक, क्षेत्र ग्रामीण बैंक व सहकारी बैंकों से ऋण प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की अधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन करना होता है।

उन्होंने कहा कि जागरुकता शिविर व कार्यशाला के अलावा प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। इसके जरिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में ज्यादा से युवाओं को जोड़ना मकसद है। साथ ही तकनीक, मार्केटिंग और बैंक अधिकारियों को इस योजना से जोड़कर नए उद्योग की गुणवत्ता और बेहतर तरीके करना मकसद है।

इंडियन ऑयल के राज्य के पहले मॉडल स्वागत रिटेल आउटलेट का शुभारंभ

चालकों के लिए रेस्ट रूम की भी सुविधा, गांधी आश्रम के खादी उत्पाद भी मिलेंगे

राज्य में आईओसी के 139 रिटेल आउटलेट

रुद्रपुर। मंडलीय रिटेल हेड प्रभात वर्मा ने बताया कि राज्य में 313 रिटेल आउटलेट और किसान सेवा केंद्र का नेटवर्क है। मिशन हरित और सतत विकास के अंतर्गत सभी आउटलेट सौर ऊर्जा से संचालित हैं। 10 रिटेल आउटलेट पर सीएनजी की सुविधा भी उपलब्ध है, जल्द ही इसे 15 और आउटलेट पर प्रदान करने की योजना है। ग्राहकों के लिए एक्स्ट्रा रिवार्ड और एक्स्ट्रा पावर जैसी स्कीम की भी सुविधा है। (संवाद)

ऑयल का यह फ्लैग बियरर रिटेल आउटलेट है। साथ ही नाइट्रोजन सहित मुफ्त हवा की सुविधा उपलब्ध है। दिव्यांगों के लिए भी आधुनिक शौचालय ब्लॉक भी उपलब्ध हैं। ट्रक ड्राइवरों के लिए पार्किंग स्थान के साथ रेस्ट रूम भी है। आउटलेट में खादी इंडिया स्टोर भी संचालित है।

सोशल मीडिया पर केवीआईसी

- फेसबुक पर

सोशल मीडिया पर केवीआईसी

- इंस्टाग्राम पर

• Special Day posts •

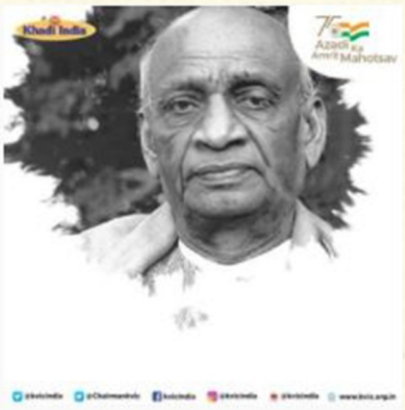

Khadi India

भारत में मधु क्रांति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

Download the Khadi India App from | kvicindia | @kvicindia | kvicindia | www.kvic.org.in